राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 50.00 संख्या 2450
आदमखोर
राज रजतवर्ष
नागराज

संजय गुप्ता पेश करते हैं!!
आदमखोर
आपके सिर में दर्द है तो आप भी हो सकते हैं आदमखोर का शिकार!
लेखक संजय गुप्ता, तरुण कुमार वाही, मंदार गंगेले
चित्रांकन हेमंत
इंकिंग अमित कुमार
कैलिग्राफी हरीश शर्मा
इफैक्ट्स शादाब
सम्पादक मनीष गुप्ता
राज कॉमिक्स है मेरा जनून।
LINK ROAD, OUTER MAHANAGAR. 1.00 A.M
क्या मूवी थी यार! SERIOUSLY! HORRIFYING THRILLING! और सबसे खतरनाक वो क्रीचर!! AWESOME MOVIE!
AWESOME?? वाहियात मूवी थी बिलकुल मजा नहीं आया!
हाहाहा! डरपोक! मैंने देखा था हर सीन के साथ तू सीट से चिपकी जा रही थी!
डरे मेरी जूती! वो तो... मैं... वैसे भी ये चीजें असली में नहीं होतीं! सब काल्पनिक होता है!
जो भी है पर तू डर तो गई थी... देख अभी भी तेरे चेहरे पर हवाइयां उड़ रही हैं! डरपोक!
STOP IT KUNAL.
हाहाहा! फुल एंटरटेनमेंट एक मूवी दूसरी तू! डरपोक!
कुनाल स्टॉप!
वैसे डरपोक ये चीजें वाकई में होती हैं!
हां जैसे तू उनसे रोज मिलता है!
नहीं मिलता तो नहीं पर मैंने पढ़ा है!
KUNAL! STOP... STOP THE CAR! आगे कुछ है सड़क पर!
हां! शायद कोई पी कर लुढ़क गया है! पीते ये लोग हैं परेशान हम जैसे लोग होते हैं! इसे हटाना होगा! तुम यहीं बैठो मैं अभी आया सान्या!
नहीं कुनाल! ये उसकी चाल भी हो सकती है!
MN 8852
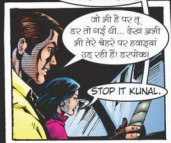
DON'T WORRY! मेरे पास पिस्तौल है! पता नहीं जिंदा भी है या नहीं!

KUNAL, BE CAREFUL.

HEY MR! HELLO! ये तुम्हारे घर का बिस्तर नहीं है। उठो...

आंऽऽ!

ब्लैम! ब्लैम! ब्लैम!

कुनाऽऽऽऽऽल

घररर्रर्रर्रर्रर्र!!

कुनाऽऽऽल! कार पीछे लो कुनाल! क्या कर रहे हो?

नहीं! मैं इसे कुचल दूंगा!

आदमखोर
व्रूऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽम!
व्रूऽऽऽऽऽऽऽऽम!!
थम्बऽऽ!!
धाऽऽऽऽऽऽऽम!
कड़ाकऽऽऽ!
दो घंटे बाद-
हुम्म! तो तुम्हीं ने फोन किया था?
जी साब! पहले मुझे लगा कि एक्सीडेंट हुआ है! पर जब नीचे उतर के देखा तो मामला कुछ और ही निकला!
LANCE
ये उसी आदमखोर हत्यारे का काम है!
लाशों का मांस जगह जगह से खाया हुआ है और खोपड़ी में से दिमाग गायब है!
महीने की बीसवीं घटना है ये! और हत्यारे का कोई पता नहीं लग पा रहा!
न्यूरो साइंस एण्ड रिसर्च सेन्टर।
अर्पिता आज कितने शिकार फंसे?
आज ज्यादा शिकार हाथ नहीं लगे। दो से ही संतुष्टी करनी पड़ी। फिर ये काम आसान भी नहीं!
शिकार फंसाना ही सबसे मुश्किल काम है।

रात-रात भर चारा लगा कर इंतजार करना पड़ता है।
मुझे सिर्फ उनके दिमाग चाहिए।
पता है। ले आया हूं।
उन्हें न्यूरॉन मशीन में डाल दो। ये मशीन इस प्रोजेक्ट का अहम् हिस्सा है।
वैसे हमारा प्रोजेक्ट अपने आखिरी चरण पर है। सफलता करीब है!
दो हफ्ते बाद -
SUCCESS!
क्या हुआ अर्पित? इतना चीख क्यों रहे हो?
दोस्तों! हमारा प्रोजेक्ट सफल हुआ। हम मशीन के जरिए लैब में ही न्यूरॉन डेवलप करने में सफल हो गए हैं। ये दिमाग काम कर रहा है।
OH WOW! ये तो वाकई में खुशी की बात है। सभी को कांग्रेट्स!
मेरे ख्याल में अब हमें मीडिया को अपनी इस उपलब्धि के बारे में बता देना चाहिए।
बिलकुल! इतनी बड़ी उपलब्धि को तो दुनिया के सामने आना ही चाहिए।
आखिर ये मानवता के हित के लिए ही तो है।
हां सर! पर ये सिर्फ हमारी ही नहीं आपकी भी सफलता है आपकी हेल्प के बिना ये प्रोजेक्ट कभी पूरा नहीं हो पाता।
अरे नहीं! इस मशीन को बनाने में सारी मेहनत तुम चारों की ही है। मैंने तो सिर्फ तुम्हें सपोर्ट किया।
उसी सपोर्ट की बदौलत हम आज यहां हैं सर!
चलो अब एक अच्छे से रेस्टोरेंट में चलकर पार्टी करते हैं!
पार्टी भी हो जाएगी पर मीडिया रीलीज के बाद!
अब खबरें विज्ञान की दुनिया से! महानगर कॉलेज ऑफ SCIENCE AND TECHNOLOGY के चार होनहार छात्रों ने एक ऐसी मशीन बनाने में सफलता हासिल कर ली है जिसकी सहायता से कई पेचिदा दिमागी बीमारियों से निजात मिल सकेगी! उनका कहना है कि इस मशीन की बदौलत अब कोमा के मरीजों का भी इलाज संभव हो सकेगा।

उस चोरी ने सबके होश उड़ा दिए थे।
न्यूरॉन मशीन गायब है।
कौन ले गया उसे?
अब हमारी रिसर्च का क्या होगा?
न्यूरो साइंस एण्ड रिसर्च सेन्टर।
प्रोफेसर विक्रांत सिर दर्द के इन पेशेन्ट्स की एम.आर.आई. और ब्लड रिपोर्ट्स से एक सनसनी खोज रहस्योद्घाटन हुआ है।
आश्चर्यजनक रूप से उनके दिमाग में न्यूरॉन्स की संख्या कम है।
शायद यही वजह है उनके सिर में दर्द की।
यदि ये मस्तिष्क की कोई बीमारी होती और न्यूरॉन्स मर रहे होते तो मृत न्यूरॉन्स भी दिखाई पड़ने चाहिए थे।
हां। मगर ऐसा नहीं है। न्यूरॉन्स गायब हैं।
पच्चीस पेशेन्ट्स के दिमागों में से लगभग 2 से 4 लाख तक न्यूरॉन्स गायब हैं प्रोफेसर विक्रांत।
ब्रेन की चोरी!

"ये जीन्स किसी भी आदमखोर जाति के वंशज में पैदाइशी होते हैं चाहे उसने आदमखोरी की हो या नहीं।"

"क्या आप हमारे दर्शकों को बताएंगे ऐसी किसी जाति के विषय में, जिसके पूर्वज आदमखोर रहे हों।"

"हां। रिसर्च के अनुसार कुलंदी जाति के पूर्वज आदमखोर थे।"

"आपका बहुत-बहुत शुक्रिया डॉक्टर विक्रांत।"

जाति मौजूद है तो आदमखोरी भी मौजूद होगी।

मारो। ये कुलन्दी जाति के हैं।
उन्हें छोड़ दो।
इन्हें छोड़ दिया तो ये हमें नहीं छोड़ेंगे।
थड़
थड़
आह!
हम आदमखोर नहीं हैं।
ये लड़की शैली। मैं इसे जानता हूं। ये आदमखोर जाति की है पकड़ लो इसे ये चारों दिमाग पर रिसर्च कर रहे हैं।
शहर में उस जाति पर नस्ली हमले शुरू हो गए हैं, जिनके पूर्वज कभी आदमखोर रहे होंगे।
और संयोग से तुम भी उसी जाति की हो शैली।
ये पागलपन है।
खबरदार। ये गैर कानूनी है।
इस घटना मे इन चारों का ही हाथ लगता है। ये चारों ही हैं आदमखोर।
नहीं। ऐसा मत करो।
पकड़ लो इसे।
मार दो इसे।
नहीं। वहीं रुक जाओ।

तो क्या आदमखोरों को जिंदा रहने दें?
मैं सिर्फ एक न्यूरो साइंटिस्ट हूं।
सांय!!!
अरे सांप!
सांय!!!
सांप कहा से आ रहे हैं।
उस लड़की से दूर हट जाओ।
नागराज!
नागराज तो रक्षक है फिर भक्षकों की रक्षा क्यों कर रहा है?
कोई आदमखोर जाति से है तो उसे आदमखोर कहना आदमखोरी है।

21वीं सदी में कुलन्दी जाति की आदमखोरी का कोई प्रमाण नहीं है। केवल शक के आधार पर तुम लोगों ने नस्लीय हिंसा फैला दी है।
ये लड़की आदमखोर है या नहीं ये मैं नहीं जानता मगर तुम लोग जो हिंसा कर रहे हो वो मेरी नजर में जरूर आदमखोरी है।
इतिहास साक्षी है कि आदिमानवों में आदमखोरी प्रचलन में थी।
मगर जैसे-जैसे सभ्य समाज का विकास हुआ, आदमखोरी समाप्त हो गई...।
जातिगत हिंसा को फौरन बंद कर दो वरना मैं तुम लोगों की सांसें बन्द कर दूंगा।
शायद ऐसी कई जातियां होंगी जिनके पूर्वज आदमखोर रहे हों। यदि आदमखोरों के वंशजों में ऐसे जींस निर्मित हो गए तो इसमें उस जाति के इंसानों का कोई कुसूर नहीं।
वूऽऽऊऽऽऽ
लेकिन आदमखोरी तो हो रही है। और फिलहाल शक तुम पर है।

पुलिस?
हां! क्योंकि लोग तुम्हें सिरकटी लाशों और अब न्यूरॉन्स की चोरी का जिम्मेदार मान रहे हैं। तुम पुलिस कस्टडी में सुरक्षित भी रहोगे।
POLICE
लेकिन अगर तुम्हारा गुनाह साबित हो गया तो तुम्हें कोई नहीं बचा सकेगा।
बचाने वाला सक्रिय हो चुका था।
POLICE
आगे कोई कार दुर्घटना ग्रस्त हुई पड़ी है जिसमें से घना धुआं निकल रहा है।
यह SMOKE बम किसने रखा यहां?

ओह, नहीं।
POLICE
कड़ंच!!!
POLICE
वरूSSSSSमम
घर्र्र्र्र
उफ उन चारों आदमखोरों को छुड़ाने में किसी शातिर दिमाग का हाथ है।
उनकी फरारी का मैसेज फ्लैश करो।
जिगं जिगं
जल्दी ही-
पुलिस की कैद से निकाल कर तुमने हमें पक्का गुनाहगार बना दिया है।
कौन हो तुम?

अ...आप! प्रोफेसर विक्रांत?
हां! मैं नहीं चाहता था कि पुलिस तुम्हें उस कारण के लिए प्रताड़ित करे जिसके तुम जिम्मेदार नहीं हो।
जब तक ये मामला शांत नहीं पड़ जाता, तुम मेरे फॉर्म हाउस में रहोगे।
कुछ देर बाद-
यह कौन है?
रुकने का इशारा कर रहा है।
प्रोफेसर विक्रांत को भी कोई रोकने पहुंच चुका था।

तुम...नागराज!
हां प्रोफेसर विक्रांत! अंदर चलें? आपसे कुछ पूछताछ करनी है।
वो चारों तुम्हारे शिष्य थे, जिन्हें मैंने पुलिस के सुपुर्द किया है।
तो तुमसे मिलना भी मेरा फर्ज बनता है।
उन्हें शहर में हो रही आदमखोरी और ब्रेन चोरी की घटनाओं का जिम्मेदार माना जा रहा है।
तुम मुझे बताओगे कि हकीकत क्या है?
व...वो चारों निर्दोष हैं।
"रात-रात भर गटरों और रेलवे लाइनों पर जा-जाकर चारा लगाते हैं और चूहों के शिकार फांसते हैं।"
शिकार फंसाना ही सबसे मुश्किल काम है।
खटाक
"उन लोगों को चाहिए थे चूहों के दिमाग।"
मुझे सिर्फ उनके दिमाग चाहिएं।

"वो चारों चूहों के न्यूरॉन्स से एक कृत्रिम दिमाग बनाने के प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे।"
उन्हें न्यूरॉन मशीन में डाल दो। ये मशीन इस प्रोजेक्ट का अहम हिस्सा है।
"उन्हें सफलता मिल रही थी।"
'कृत्रिम दिमाग' के न्यूरॉन्स संकेत दे रहे हैं यानी ये दिमाग काम करने लगा है।
तुम्हारी ये खोज क्रांतिकारी है। जो मानवों में सिज़ोफ्रेनिया, अलज़ाइमर्स या मस्तिष्क की अन्य बीमारियों के लिए वरदान साबित होगी।
"फिर उस प्रोजेक्ट के फार्मूले सहित न्यूरॉन मशीन चोरी हो गई।"
और मुझे भी तलाशी में यहां कुछ नहीं मिला।
अब मैं बेसमेंट की तलाशी लूंगा।
नागराज। उन चारों ने इंस्टीट्यूट अथॉरिटी की आज्ञा और नियमों के तहत ही अपनी रिसर्च पूरी की है।
देश के लिए उन्होंने जो किया, उन्हें तो मैडल मिलना चाहिए। पर मिली हथकड़ी।
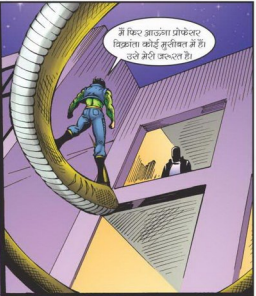
ओह! सर्प संकेत मुझे फौरन जाना होगा।
मैं फिर आऊंगा प्रोफेसर विक्रांत। कोई मुसीबत में हैं। उसे मेरी जरूरत है।
फिलहाल वो चारों मुसीबत में थे।
कौन हो तुम?
देवदूत। रहनुमा। अवतार।
...कौन हो तुम!
क्या बकवास है?
आखिर तुम बताते क्यों नहीं? कौन हो तुम?
तुम मुझसे जानना चाहते हो कि कौन हूं मैं?
और मैं तुम्हें बताना चाहता हूं कि...
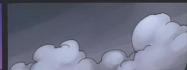
देखो इस खोपड़ी को। पहचानो।
और पढ़ो इस पर लिखी इबारत को।
ना पढ़ पाओ तो...
...आओ मेरे साथ।
...मैं तुम्हें ले चलता हूं...
"...400 साल पीछे..."
"भयानक आदमखोर कबीले...खूंखार खप्पर जाति के इतिहास में।"
"जिन्होंने भयंकर हिंसकता दिखाते हुए कई कबीलों में मौत का ताण्डव मचा दिया।"
"आसपास के क्षेत्रों में उनका इतना खौफ था कि हवा भी सरसराती थी तो लोगों का खून सूख जाता था।"

"खप्परों का राजा आदमभू हजारों आदमखोरों के साथ अपनी भूख मिटाने के लिए इन्सानी कबीलों की खोज में रहता था।"
इसी स्थान पर डेरा डालो। यहां उसे भरपेट खाने को मिलेगा।
"विशम्भर राज्य की सीमा पर खूंखार रक्तपाती जमा हो गए थे।"
तुम ये क्या कर रहे हो आदमभू? इसे जिन्दा मत करो। इसकी भूख नहीं मिटा पाओगे।
सेनानायक जोनावर ये हमारे पूरे कबीले की ताकत बनेगा। मुझे मत रोको।
"योद्धा वंश के विशम्भर राज्य में मातम छाया था।"
मातम मत मनाओ। अपने राजा पर भरोसा रखो। उन खूंखार हत्यारों को यहां से बच के नहीं जाने दूंगा।
"आदमभू स्त्रियों का रसिया था।"
"विषैली पर आ गया था आदमखोर का दिल।"
तुम्हारे जैसा सौन्दर्य मैंने पहले कभी नहीं देखा।
और आप जैसा शक्तिशाली मैंने।
आपके दल के किसी भी लड़ाके पर तेजधार हथियारों का भी असर नहीं होता। ये तो जादू है।
हा हा हा! ये चेतना द्रव्य का जादू है। इसी कारण कोई हमें मार नहीं पाता।
हम इन्सानों को मारकर उनका मांस खा जाते हैं और चेतना द्रव्य पी जाते हैं।

चेतना द्रव्य?
हां। ये पेय ना सिर्फ हमें रोगों एवं वृद्धावस्था से बचाता है बल्कि हमारी काया को लोहे की शक्ति भी प्रदान करता है।
और अब उसी चेतना द्रव्य से मैं इसे भी जीवित करने वाला हूं।
ये कौन है?
वैडिंगो। जिसे मारा नहीं जा सकता।
लेकिन एक लड़ाई में इसका दिमाग नष्ट हो गया था।
अब मैंने उसके लिए दूसरा दिमाग बना लिया है।
अब ये जिंदा होगा।
ये अकेला ही पूरे-के-पूरे राज्य को चीर-फाड़कर अपने और हमारे लिए भोजन का इंतजाम करेगा।

हा हा हा। देखो ये जिंदा हो रहा है।
और अब तू मरेगा।
धोखेबाज। कौन है तू?
योद्धा वंश की गुप्तचर विषैली जो यहां आदमखोरों का नाश करने आई है।
नजर उठाकर देख। योद्धा वंश के तीन और शूरवीर योद्धा बाहुबलि, शूरा और शस्त्रा किस प्रकार अपनी सेनाओं के साथ तेरे आदमखोरों का सफाया कर रहे हैं।
खच्चाक
वैडिंगो तबाही मचाने को तैयार था।
हर्र्र्र
आज वैडिंगो किसी को भी जिंदा नहीं छोड़ेगा। उसे केवल मैं नियंत्रित कर सकता था और मुझे तुमने...आह।

आह
बचेगी तू भी नहीं नागिन।
"वैडिंगो भी बच नहीं पाया।"
सांय सांय सांय
"वास्तव में बाहुबलि, शूरा, शस्त्रा और विषैली की मदद गुरु खूनबा ने की थी।"
हमें आपने जो दिव्यास्त्र दिए, उन्हीं से ही यह कार्य सम्भव हो पाया है ग...गुरु खूनबा।
और मैं चूंकि शस्त्र नहीं उठाता इसलिए आपने गदा की शक्ति मेरे बाहुबल में डाल दी।
वैडिंगो एक खूंखार आदमखोर है। वो जितने इन्सानों को मारकर खाता उसका शरीर उतना ही विशालकाय एवं शक्तिशाली हो जाता। वैडिंगो पूरी दुनिया के जीवन के लिए भयानक संकट था।
वैडिंगो के शरीर को नष्ट नहीं किया जा सकता और उसे मार सकते हैं केवल यही दिव्यास्त्र जिनको मैंने तुम्हारे लिए सिद्ध किया था ताकि केवल तुम ही इनका प्रयोग मानवता की भलाई के लिए कर सको, लेकिन अब इन्हें मैं तिलिस्म में सुरक्षित कर दूंगा।
संसार की रक्षा की है तुम चारों ने। तुम्हारा बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा।
अब चूंकि इन शस्त्रों का प्रयोग कोई और नहीं कर सकता लेकिन वैडिंगो के जिंदा होने का संकट भविष्य में भी कायम रहेगा इसलिए मुझे ये सब जानकारियां तुम्हारे चेहरों पर गोदनी होंगी।

अर्पित, शैली, विभव और मधुर हैरान खड़े उस वृद्ध की बातें सुन रहे थे।
गुरु खूनबा ने वैडिंगो के शरीर और उन हथियारों को तिलिस्म में बंद करके उन चारों जांबाज योद्धाओं की खोपड़ी को तिलिस्म की चाबी का रूप दे दिया था।
मुझे दिव्य आभास हुआ है कि किसी ने वैडिंगो को तिलिस्म से आजाद करवा लिया है
वैडिंगो जीवित हो चुका है और वही यह आदमखोरी कर रहा है! अगर उसे खत्म ना किया गया तो तुम चारों जिस मुसीबत में फंसे हो उससे निकलना असंभव हो जाएगा।
उसे समाप्त करने के लिए उन्हीं हथियारों की आवश्यकता पड़ेगी जिनका प्रयोग केवल तुम चारों ही कर सकते हो क्योंकि...
...वो चारों योद्धा तुम्हारे रूप में पुनर्जीवित हुए हैं।
वो चारों तुम ही हो।
और मैं हूं गुरु खूनबा।
अद्भुत-सी कहानी है। लेकिन तिलिस्म की चाबी तो वो चार खोपड़ियां हैं। वो खोपड़ियां कहां हैं?
तुम्हें ही वो कार्य करना होगा। अपनी और मानवता की रक्षा के लिए।
मेरी सारी शक्ति तिलिस्म के निर्माण में खर्च हो चुकी थी। उसके पश्चात मैं योग निद्रा में चला गया था। इस कारण मैं उस तिलिस्म को खोल पाने में अक्षम हूं।

वो खोपड़ियां अलग-अलग तिलिस्म में बंद हैं। उन तिलिस्मों के द्वार उन खोपड़ियों के प्रतिरूपों से खुलेंगे।
मैंने एक प्रतिरूप तो प्राप्त कर लिया था, लेकिन मेरे लिए ये व्यर्थ है क्योंकि वो तिलिस्म योद्धा वंश यानी तुम चारों के स्पर्श से ही जाग्रत होगा।
ये किसकी खोपड़ी का प्रतिरूप है।
तुम्हारी? अर्थात तुम्हारे पूर्वजन्म विषैली की। मुझे केवल यही एक खोपड़ी प्राप्त हो पाई है।
उफ! यकीन नहीं होता।
तो यकीन करो।
ये...ये क्या हो रहा है?
तिलिस्म जाग्रत हो रहा है।
अब जब तक तुम अपनी असली खोपड़ी को प्राप्त नहीं कर लोगी तुम इस तिलिस्म के संकट से बाहर नहीं निकल पाओगी।

तिलिस्म शुरु होने के 24 घंटे के अंदर अब तुम्हें तिलिस्म से चारों खोपड़ियों को प्राप्त करना होगा अन्यथा फिर तुम कभी भी इन खोपड़ियों को प्राप्त नहीं कर पाओगे, क्योंकि वे नष्ट हो जाएंगी।

मगर हम शेष खोपड़ियों को कैसे प्राप्त करेंगे? वो कहां पर हैं? उनका पता कैसे लगेगा?

दूसरी खोपड़ी तुम्हें जोरासिक म्यूजियम में! तीसरी मैजिक फाऊंटेन पर और चौथी खोपड़ी राजा मज्जल द्वारा स्थापित लौह संतभ पर मिलेगी। इन्हीं स्थानों पर तुम्हे खोपड़ियां ढूंढनी हैं।

24 घंटे बाद मुझे 32 माइल स्टोन यानी इसी स्थान पर मिलना। ईश्वर तुम्हें कामयाबी दे।

अब हम तिलिस्म में हैं।

अब हम मुसीबत में हैं। वो देखो।

कब्रिस्तान, कब्रिस्तान, कब्रिस्तान।

हमें इस तिलिस्म के संकटों से तभी छुटकारा मिलेगा, जब हम असली खोपड़ी को ढूंढ लेंगे।

ये कब्रिस्तान जाने वाली बस है।

जाने वाली नहीं।
...पहुंचाने वाली! बचो।
नागराज!
कब्रिस्तान, कब्रिस्तान, कब्रिस्तान।
खोपड़ी का प्रतिरूप मेरे हाथ से छूटते ही गायब हो गया।
उसे जाने दो। वैसे भी उसका काम तिलिस्म को शुरू करना था, जो कि हो चुका है।
यह सब क्या है? यह कैसा तिलिस्म है? तुम सभी इसमें कैसे आ गए?
शैली ने गुरु खूनबा के बारे में नागराज को सब कुछ बता दिया।
सर्पट। हमें नीचे उतारकर तुम मेरे शरीर में समा जाओ।
नागराज। इस तिलिस्म में मेरी शक्तियां कमजोर पड़ रही हैं। मैं ज्यादा देर उड़ नहीं सकता।

अब हमें तुम्हारी असली खोपड़ी तक पहुंचना होगा शैली।
मगर सवाल ये उठता है कि कैसे?
ओफ्फ!
भक्काक
भक्काक
शीतिका!
फूहऽऽ
फुूहऽऽ
वो शैतान फिर आ रहा है।
यह ट्रैफिक अटैक तब तक जारी रहेगा जब तक हम शैली की खोपड़ी नहीं ढूंढ लेते।
तुम लोग आसपास खोपड़ी को खोजने की चेष्टा करो...।
...इस शैतान से निबटेगी...
...अग्निका।
हिस्स

देखूं कितनी आग है तेरे पास!
अग्निका सब चूस जाएगी।
थड़!!!
कड़ड़ड़
ओफ्फ!
बूम्म
बूम्म
कड़ड़ड़

आह!!!
वो बस फिर आ गई हमें कब्रिस्तान पहुंचाने।
कब्रिस्तान। कब्रिस्तान। कब्रिस्तान।
उफ़! नागराज। शायद मेरा कंधा उतर गया है और पैरों में भी चोट आई है।
घबराओ नहीं शैली। हम उसके रास्ते से हट जाएंगे।
ओह! ये क्या सर्प रस्सी नीचे आ रही है।

यानी यह तिलिस्म हमें सड़क पर ही रखेगा। ये बस अब हमारा कचूमर निकाल देगी।
अरे। वहां तो इमारत है ही नहीं इमारतें सिर्फ भ्रम हैं।
ओह! नागपुल।
रिक्रsss थsss
उस मुसीबत से बच गए मगर अब इस मुसीबत से कैसे बचेंगे।
ये अर्थ-मूवर है।
ये हमले तब तक नहीं रुकेंगे जब तक खोपड़ी नहीं मिल जाती।
रोड रोलर भी आ गया।

रोड रोलर के रास्ते से हट जाओ।
कड़ाक!!!!
इस बार हम इस बस में सवार होंगे।
नागराजा ये क्या कर रहे हो? उस बस में शैतान सवार हैं। काट देंगे।
जैसा कहता हूं वैसा करो। चलो। जल्दी से बस में सवार हो जाओ।
कब्रिस्तान, कब्रिस्तान, कब्रिस्तान।

अरे!
मेरा अनुमान ठीक निकला।
अरे!
उस बस में से इस कब्रिस्तान तक पहुंचने का रास्ता था।
यहां यह ताबूत कैसा रखा है?
मैं इसे खोलता हूं।

ये तो उसी प्रतिरूप खोपड़ी की असल है।
शैली। खोपड़ी को ताबूत में से उठा लो। जल्दी करो।

नागराज। तुमने कैसे अनुमान लगाया कि बस हमें खोपड़ी तक पहुंचा देगी।

हड्डियां व खोपड़ियां कब्रिस्तान में पाई जाती हैं। ये विचार मन में आते ही मैंने बस में जाने का निर्णय किया था। देखो। सारा ट्रैफिक सामान्य हो गया।
वूअ वूअ SSS
पुलिस हमारी तलाश में होगी।
हमें अभी तीन और खोपड़ियां प्राप्त करनी हैं।
बाहुबलि, शूरा और शस्त्रा की। जिन्हें प्राप्त करने के लिए हमारे पास हैं बाइस और घंटे।
आह! मैं ठीक से खड़ी भी नहीं हो पा रही।
शैली। ऐसी हालत में तुम्हारा इस खोज में आगे बढ़ना संभव नहीं होगा।
नागराज ठीक कह रहा है। तुम्हें आराम की सख्त जरूरत है। तुम इस खोपड़ी के साथ प्रोफेसर विक्रांत के फार्महाउस चली जाओ।
चौबीस घंटे की समय सीमा पूरी होने के बाद हम '32 माइलस्टोन' पर मिलेंगे जहां तुम ये खोपड़ी लेकर पहुंचोगी।
लेकिन अर्पित?

हमारे पास समय कम है। जैसा कहा है वैसा करो।
सर्पटा शैली को छोड़कर आओ।
ये जेट से भी तेज उड़ता है।
नागराज हमारे पास समय कम है। क्यों ना हम दो-दो के ग्रुप में खोपड़ियों की खोज करें।
मगर तिलिस्म जान लेवा साबित हो सकता है।
इस काम को मैं अकेले ही कर लेता मगर गुरु खूनबा की कहानी के अनुसार केवल योद्धा वंश के लोग ही खोपड़ी को स्पर्श कर तिलिस्म को खोल सकते हैं।
मगर हमें खोपड़ियां भी समय पर प्राप्त करनी हैं।
ठीक है। हम दो-दो की टीम बनाते हैं। मैं एक साथ दोनों जगह रहूंगा।

मैं मधुर के साथ टूरिस्ट प्लेस पर जाकर खोपड़ी की खोज करता हूं।
और मैं विभव के साथ जाता हूं, म्यूजियम में।
लौह स्तंभ वाली खोपड़ी हम चारों ही प्राप्त करने जाएंगे जिसे पहले कोई भी खोपड़ी मिल जाए वो दूसरी टीम के आने का इंतजार करेगा।
जोरासिक म्यूजियम!
यहां पचासियों कंकाल व खोपड़ियां होंगी सचमुच मुश्किल काम है।
यहां हमें सबसे पहले असल खोपड़ी का प्रतिरूप ढूंढना होगा, जिसे स्पर्श करने से ही हम उस तिलिस्म में प्रवेश कर पाएंगे, जहां असल खोपड़ी रखी होगी।
ये क्या? कंकाल को पूरा करने के लिए कंकाल की असली हड्डियों में कुछ प्लास्टर ऑफ पेरिस द्वारा बनाकर भी लगाई गई हैं।
समय खराब हो रहा है। आधे घंटे में हम प्रतिरूप खोपड़ी भी नहीं ढूंढ पाए।
कड़ाक!!!
ओफ्फ!

इसका मतलब इनमें से कुछ बॉडी पार्ट्स पुरातत्व अवशेषों की बॉडी को पूरा करने के लिए नकली बना कर भी लगाए गए हैं। जबकि हम केवल ममीफाइड सिर की तलाश कर रहे थे।
ओह! ये धड़ नकली है। प्लास्टर ऑफ पेरिस का बना।
इसका सिर एकदम असली जैसा है।
नागराज! देखो तो जरा।
ये सिर एकदम असली है।
और ये तिलिस्म भी।

क्रेआँ ओ SS
स्क्रि SSशा!!!
अब हमें असली खोपड़ी को जल्दी से जल्दी ढूंढना होगा।
ओफ्फ!
मगर खोपड़ी कहां होगी?
छनाक!!!
क्या यहां भी कोई क्लू होगा उस खोपड़ी तक पहुंचने का?
स्क्रि SSSश
वो क्लू क्या होगा?
धम्म कड़ाक!!!
कड़ड़ाक

कड़ड़
नहीं टूटेंगी?
धम्म!!!
नागराज! नीचे गिरकर मेरी हड्डी-पसली टूट जाएंगी।
रिकं ssssश!!!
तुम्हें जिस सिर की तलाश है, वो मेरे धड़ पर रखा है। आओ ले लो। हा हा हा।
नागराज बचो।
धम्म!!
असली खोपड़ी कहीं दिखाई नहीं पड़ रही?
और तिलिस्मी हमला तेज होता जा रहा है।

आओ। तुम्हें जिस सिर की खोज है वो मेरे धड़ पर रखा है।
ये झूठ कह रहा है।
वो सिर मेरे धड़ पर है।
सांय!!!
सांय!!!
सांय!!!
वो सिर मेरे धड़ पर है। आओ ले लो।
ट ना क!!!

हम घिर गए!
आओ! तुम्हें जिस सिर की तलाश है, वो मेरे धड़ पर रखा है।
वो झूठा है। वो सिर मेरे धड़ पर रखा है।
धोखा ना खाना। सिर मेरे धड़ पर रखा है।
ये सब झूठे हैं। सिर मेरे धड़ पर है।
मैजिक फाउंटेन
यही है एक हजार साल प्राचीन वो पर्यटन स्थल मैजिक फाउंटेन जहां हमें तीसरी खोपड़ी की डमी प्राप्त होगी।
और यहां कोई डमी दिखाई नहीं पड़ रही।
ना ही कोई ऐसी जगह दिखाई पड़ रही है...
जहां डमी को छुपाया जा सकता हो।
एक जगह हो सकती है...

फाउंटेन का ऊपरी हिस्सा। जो दिखाई नहीं पड़ रहा।
खोपड़ी के स्पर्श से तिलिस्म शुरू क्यों नहीं हुआ?
मुझे देखने दो।
ओह! तिलिस्म शुरू हो गया।
गुलुप
ये कोई नहीं है।

इस नदी में हमें खोपड़ी कहां मिलेगी।
वो देखो। जहाज।
हमें जहाज पर जाना होगा शायद असल खोपड़ी हमें वहीं पर मिले।
...मगर आसानी से नहीं मिलेगी।
ये सिर किसने काटे होंगे।
मैंने!
मैं तिलिस्म का रक्षक कुल्हाड़ हूं।
कड़ाक!!!
बचो।
अपनी लाचारी पर क्षुब्ध थी शैली।
काश मैं भी इस मिशन में अपने साथियों के साथ जा पाती।

आखिर क्या भेद छुपा है इस खोपड़ी पर लिखी भाषा में?
गुरु खूनबा ने जो कहा है क्या वही इस पर भी लिखा होगा?
इस वक्त रात के बारह बजे हैं।
मैं दो घंटे पहले अपने साथियों से अलग हुई थी।
और उससे भी 2 घंटे पहले यानी ठीक 8 बजे हमने पहले तिलिस्म में प्रवेश किया था।
यानी कल रात 8 बजे गुरु खूनबा के लिए 24 घंटे पूरे हो जाएंगे।
और अभी 20 घंटे बाकी हैं।
पता नहीं वे लोग शेष खोपड़ियों को प्राप्त करने में कितना वक्त लगाएंगे।
नहीं! केवल सोचते रहकर मैं समय नहीं बिता सकती। वक्त बिताने के लिए मैं कोई बुक पढ़ सकती हूं।
उहूं! नहीं! ये नहीं।
THE BRAIN
हां! ये ठीक है। खोपड़ी की भाषा पढ़ने में इस किताब से मदद मिलेगी।
ये आवाज कैसी है?
ये क्या? उस अलमारी के पीछे कोई गुप्त रास्ता है। पर ये रास्ता खुला कैसे?
गुप्त द्वार बंद हो गया।
ये किताब उस रास्ते के ताले की चाबी है जिसे खिसकाने पर गुप्त द्वार खुल जाता है।
प्रोफेसर विक्रांत को ऐसा रास्ता बनाने की जरूरत क्यों पड़ी?

ओह! नहीं!
उफ़!
ये तो...! ये नहीं हो सकता। UNBELIEVABLE!
ल...लगता है! तिलस्मी खोपड़ी मिलने से पहले ही हमारी खोपड़ी व कंकाल भी इन कंकालों में शामिल हो जाएंगे! गॉड! मैंने तो अभी तक कोई गर्ल फ्रैन्ड भी नहीं बनाई थी।
चिंता ना करो! यहां से निकल कर सबसे पहला काम तुम अपने लिए गर्ल फ्रैन्ड ढूंढने का करना।
हां! अगर निकल सके तो।
जरूर निकलोगे! क्योंकि...
अब मैं उस सिर को हासिल कर लूंगा।
लेकिन पहले फालतू की भीड़ हटा दूं और ये काम मेरे विस्फो सर्प...
...आसानी से पूरा कर देंगे।
धड़ाऽऽमम

नागराज! इसे क्यों जिन्दा छोड़ दिया?
क्योंकि यही देगा मुझे वो सिर जिसके लिए हम यहां आए हैं!
ये क्या कर रहे हो नागराज! तुम्हे इसका सिर चाहिए या मेरा?
आऽऽऽह
आऽऽऽऽऽ! काट दी! नागराज ने मेरी खोपड़ी काट दी! आऽऽऽ! बिना खोपड़ी के अब कोई लड़की मुझे पसंद नहीं करेगी!
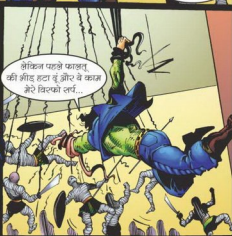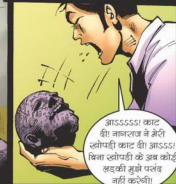
अंय!
ईयाSSSSS
विभव यही है वह खोपड़ी जो हमें चाहिए थी!
ओह! इन सबके अंजर-पंजर ढीले पड़ गए। यानी तिलिस्म टूट गया।
गुरु खूनबा की कहानी के मुताबिक वो चार योद्धा थे जिनमें से एक था बाहुबलि, जो युद्ध में शस्त्रों का प्रयोग ना करके अपने बाहुबल का प्रयोग करता था।

बस शैली की ये बात याद आते ही मुझे लगा कि निशस्त्र योद्धा के धड़ पर ही है बाहुबलि का सिर!
दो खोपड़ियां हमने प्राप्त कर ली हैं।
हमें चौथी खोपड़ी वाले स्थान पर चलना चाहिए!
"पता नहीं अर्पित और मधुर तीसरे योद्धा के सिर को प्राप्त कर पाए हैं या नहीं?"
मधुर! मैं इससे निबटता हूं। तुम खोपड़ी ढूंढो।
धाड़!!!
उफ़! ये तो ज़रा-सी चूक होने पर ही काट डालेगा।
कॉलेज में जूडो की प्रैक्टिस आज यहां काम आ रही है।
कड़ाक

उफ! इन खोपड़ियों में उस योद्धा की खोपड़ी कहीं दिखाई नहीं पड़ रही।
टनाक!!!
इसकी शक्ति का सामना करना मेरे वश में नहीं।
मधुरा! जल्दी करो। वरना हम दोनों ही नहीं बचेंगे।
यहां तो सैकड़ों खोपड़ियां हैं।
जूडो में बचाव के पैंतरे सिखाने पर ही अधिक ध्यान दिया जाता है और आज मुझे इससे अपना बचाव ही करना है।
कड़ाक
लेकिन इसका अंत किए बिना हमें वो खोपड़ी मिल भी जाती है तो ये ले जाने नहीं देगा और इसको मारना असंभव लग रहा है।

नागराज ने कहा था वो हमारे साथ भी रहेगा। कहां है नागराज?
सईईई
सांय
अग्निका
भक्काक!!!
आह!!!
आह! मेरा चेहरा।
अरे! कहां जा रही हो मदद की जरूरत तो अब है।
तो नागराज इस तरह से हमारे साथ है।
जब तुम्हें जरूरत होगी नागराज की मदद तुम्हें हासिल हो जाएगी।

मधुर! भागो!
बहुत बड़ी गड़बड़ हो गई है।
जो दिखाई दे रहा था शैली के लिए उस पर यकीन करना मुश्किल था।
OH MY GOD. ये...ये सब!
यहां खड़े हो पाना दूभर है।
ये वही दिमाग होने चाहिएं! पिछले दिनों जिनके आदमखोर द्वारा खाए जाने की चर्चाएं फैली हुई हैं।
मुझे अर्पित इत्यादि को ये सारी बातें बतानी होंगी।

ओ शिट। मगर उनसे कांटेक्ट नहीं हो पा रहा।
पता नहीं वे सब किस स्थिति में हैं?
अब मेरा पांव कुछ ठीक है मुझे प्रोफेसर से मिलना होगा।
यहां दूर-दूर तक टैक्सी मिलना भी मुश्किल है।
प्रोफेसर विक्रांत का घर-
मैंने उन्हें इसलिए पुलिस की कैद से भगाकर अपने फार्म हाउस भेजा ताकि पुलिस उन्हें ही कुसूरवार समझती रहे। हमारी ओर किसी का ध्यान ना जाए और हमारा काम गुपचुप ढंग से चलता रहे।
प्रोफेसर विक्रांत किससे बातें कर रहे हैं।
मगर तुमने उन सबको अपने उसी फार्म हाउस में क्या सोच के भेज दिया जहां चेतना द्रव और सड़े दिमाग पड़े हैं और वहां वो अति मस्तिष्क भी रखा है जिसे बनाने में हम असफल रहे।
घबराइए नहीं पिताजी, उन्हें तहखाने का पता नहीं लगेगा। वह अति गुप्त तहखाना है।
लेकिन अगर तुम इस मशीन को पहले ही यहां ले आते तो लोगों को मारकर उन के दिमाग इकट्ठा करने की जरूरत ना पड़ती।

लेकिन मेरी भूख का क्या होगा? मैं कई दिनों से भूखा हूं।
जीभ पर काबू रखिए पिताजी।
ओह! हमारी न्यूरॉन मशीन भी इसने ही चुराई थी।
क्या यही है वो आदमखोर?
"400 साल पहले मुझे लगभग मार ही डाला गया था। मगर मैं जिन्दा बच गया था।"
चेतना द्रव्य निर्माण का जो काम मैं 400 साल पहले नहीं कर पाया था, वो अब तुम्हारी मदद से करना चाहता हूं...!
"गुरु खूनबा ने गद्दारी की थी। राज्य तबाह हो गया था। मेरी आदमखोर सेना भी नष्ट हो गई थी।"
"चेतना द्रव्य बनाने का यंत्र भी नष्ट हो गया था। क्या करता? छुपा रहा।"
"खाना बदोशों की तरह एक स्थान से दूसरे स्थान पर भटकता रहा क्योंकि एक स्थान पर अधिक समय तक रह कर आदमखोरी नहीं कर सकता था।"
"बिना मानव मांस के तो मेरा जिन्दा रहना ही असम्भव था।"
"सभ्य समाज में एक युवती से विवाह किया एक बेटा भी हुआ। पर एक रात जब कोई शिकार हाथ नहीं लगा तो मैं अपनी पत्नी को मारकर खा गया। क्या करता। बड़ी भूख लगी थी।"
"मगर बदकिस्मती से कत्ल के इल्जाम में पकड़ा गया। उमर कैद हो गई।"

"काल कोठरी में मानव मांस के बिना मैं विक्षिप्त-सा हो गया। मुझे पागल खाने भेज दिया गया।"
ये जगह जेल से बेहतर है।
"वहां मैंने सबकी निगाहों से छुपकर सिद्धियां प्राप्त करना शुरू की।"
"फिर एक दिन अपनी सिद्धियों के बल पर मैंने तुम्हें पागलखाने बुलाया-"
पिताजी। आपके निर्देशानुसार मैं विषैली की खोपड़ी ले आया हूं।
और उस पर खुदी भाषा को भी समझ चुका हूं।
मुझे तो यकीन ही नहीं हो रहा कि कोई ऐसा चेतना द्रव्य भी हो सकता है, जो इन्सान की उम्र का बढ़ना रोक दे और उसके समस्त शारीरिक विकार एवं रोगों को दूर कर दे।
हैरान कर देने वाली बात तो उस अतिमानस मस्तिष्क का निर्माण है जो वैडिंगो जैसे महा शैतान को भी जीवित कर दे। हमारा आधुनिक विज्ञान भी आज तक एक कृत्रिम मस्तिष्क नहीं बना पाया।
हां बेटा जो आज तक नहीं हुआ वो अब होगा।
अब मैं बनाऊंगा अतिमानस दिमाग यानी सुपर ब्रेन जो सारी दुनिया में मेरी काबलियत की धाक जमा देगा। हा हा हा।
"मैं उसी रात पागल खाने से भाग निकला।"
"मगर हम अति मानस मस्तिष्क बनाने में असफल रहे"
"फिर तुम्हारे स्टूडेंट्स के प्रोजेक्ट के रूप में आशा की नई किरण दिखाई दी और हमने वो मशीन चुरा ली।"

ये दोनों एक भयानक षड्यंत्र रच रहे हैं। जिसका शिकार हम चारों हुए हैं और अब खतरे में है पूरी दुनिया।
मुझे जल्दी से जल्दी 32 माईल स्टोन पहुंचना होगा।
मौत मधुर और अर्पित से मिलने को तैयार थी।
उफ्! ये हुआ कैसे? एकाएक सभी सिर समुद्री डाकुओं के रूप में जिन्दा कैसे हो गए?
लेकिन अब बाहर एक भी खोपड़ी नहीं है। इसका मतलब वो सिर इसी केबिन में कहीं पर होना चाहिए।
वो रहा।
ये चारों ओर से बंद है।
ये खुलेगी कैसे?
कड़ाक
समुद्री डाकू केबिन का दरवाजा तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।
टनाक

उनसे पहले मुझे इस शीशे को तोड़ना पड़ेगा।
अरे ये तो टूटा ही नहीं।
अलमारी तभी खुलेगी जब इसके तिलिस्म का कोड डीकोड होगा।
टनाक
टनाक
तब तक तो ये शैतान केबिन में घुस जाएंगे।
ओह! ये क्या?
चाबी? यहीं कहीं एक चाबी होनी चाहिए मधुर।
कैसी चाबी? चाबी का क्या करोगे? और तुम्हें कैसे पता कि चाबी है।

शायद मैंने चाबी ढूंढ ली।
कहां?
झूमर।
ये रही वो चाबी।
लेकिन इस चाबी का क्या करोगे? यहां अलमारी में की-होल कहां है।
कड़ाक
दरवाजा टूट गया। अब हम नहीं बचेंगे।
बचेंगे। यदि इस खोपड़ी को हासिल कर लेंगे तो जरूर बचेंगे।
मारो।
काटो।
...यहां है की-होल। देखो। चाबी की-होल में चली गई।

...और घूम भी गई।

कमाल है। मुझे तो अभी भी 'की-होल' दिखाई नहीं दे रहा।

मारो! काटो!

जल्दी करो अर्पिता। खोपड़ी बाहर निकाल लो।

खोपड़ी हाथ में लेते ही-

आऽऽ

सक्सेस!

आह!!!

सामने रखी उस अलमारी का है।
यही तो गुप्त संकेत था...
पहले तो मैं भी कुछ नहीं समझा था। लेकिन अचानक ही मेरी निगाह जब आइने में दिखते की-होल के प्रतिबिम्ब पर गई...
तो ये विचार मन में कौंधा की हो ना हो खोपड़ी वाली अलमारी का की-होल उसी जगह पर होना चाहिए जहां प्रतिबिम्ब बन रहा है और जब की-होल था तो फिर चाबी भी होनी चाहिए थी।
ओह! ये क्या हो रहा है।
खोपड़ी हमें प्राप्त हो गई है। अब शायद तिलिस्म हमें यहां से...।
...बाहर फेंक रहा है।
अपने हाथों में थमी खोपड़ी को छुपाओ। अब हमें चलना चाहिए अगली खोपड़ी हमें मिलेगी...
"लौह स्तंभ पर-"
राजा मज्जल ने इस लौह स्तम्भ को बनवाया था जो युद्ध में उसकी जीत का प्रतीक चिन्ह भी है।
इस स्तम्भ के टॉप पर एक खोपड़ी को स्थापित किया गया है।

मुझे लगता है ये खोपड़ी ही असल खोपड़ी की डमी है। उसे छूने पर ही खुलेगा तिलिस्म।
और उसे हममें से ही एक स्पर्श कर सकता है। मैं ही करता हूं ये कोशिश।
आह।
स्किSSश
ओफ्फ!
तुम ठीक तो हो ना अर्पित?
मैं हिल भी नहीं पा रहा हूं।
हा हा हा।
नागराजा तिलिस्म शुरू हो गया।
आह।

ये क्या? इस बार डमी खोपड़ी को स्पर्श करने से पूर्व तिलिस्म कैसे शुरू हो गया।
यहां हमें तिलिस्म की आखिरी खोपड़ी मिलनी है।
शायद ये उस तिलिस्म में प्रवेश से पूर्व का तिलिस्म है।
मगर अर्पिता तुम इस तिलिस्म से दूर रहना।
थैंक्यू नागराज। तुमने मेरी हड्डियां टूटने से बचा लीं।
मुझे लगता है लौह स्तम्भ के सिर को स्पर्श करने के लिए भी हमें एक तिलिस्म से होकर गुजरना होगा।
वो तिलिस्म क्या होगा?
वो तिलिस्म यही है। हमारे अंगों की अदला-बदली।
नागराज! तुम्हारे बाजू मेरी बाजुओं से अदला-बदली हो गए।
और तुम्हारा सिर मेरे सिर से। उफ् ये कैसा तिलिस्म है?

लौह स्तम्भ पर फिट शस्त्रा की डमी खोपड़ी को केवल मैं या विभव ही स्पर्श करके तिलिस्म को खोल सकते हैं।
तो फिर जल्दी करो। लौह स्तम्भ पर चढ़ो! स्तम्भ पर चढ़कर ही खोपड़ी को स्पर्श किया जा सकता है अन्यथा वो पहले की तरह फिर से प्रहार करेगी।
मैं नागफनी सर्पों को लौह स्तम्भ पर लिपटने को कहता हूं।
जल्दी करो। आह।
नागफनी सर्प तुम्हारी कलाई से बाहर नहीं आ रहे। विभव।
नागफनी सर्प मेरे कहने से ही सक्रिय होंगे।
नागफनी सर्पों। बाहर निकलो।
तुम्हारी कोशिश भी असफल हो गई। क्योंकि नागफनी सर्पों का मानसिक सम्पर्क केवल मेरे मस्तिष्क से है। जब तक मेरा सिर मेरे ही धड़ पर नहीं होगा तब तक उनसे सम्पर्क नहीं हो पाएगा।
धाड़
तो अब क्या करें?

ये खोपड़ी केवल योद्धा वंश के लोगों के स्पर्श पर ही तिलिस्म का रास्ता खोलेगी। मैं योद्धा वंश का नहीं हूं किन्तु...
मेरा धड़ विभव का है अतः खोपड़ी के स्पर्श के साथ ही तिलिस्म का रास्ता खुल जाना चाहिए मगर ये क्या? खोपड़ी को स्पर्श करने के बाद भी तिलिस्म क्यों नहीं खुल रहा?
गुरु खूनबा का दिया समय समाप्त होने में कुछ ही समय शेष है। यदि ये खोपड़ी हम प्राप्त नहीं कर पाए तो शेष खोपड़ियां भी हमारे हाथ से जाती रहेंगी!
32 माइल स्टोन
समय सीमा पूरे हुए एक घण्टा गुजर चुका है। क्या वो चारों वापस आ पाएंगे भी या नहीं।
ओह! ये नागराज के साथ कैसे? शैली इनके साथ नजर नहीं आ रही।
आ गए तुम लोग! मुझे लगा तुम तिलिस्म नहीं तोड़ पाए होंगे!
लाओ वो चारों खोपड़ियां मुझे दे दो।
मगर हमारे पास तो तीन खोपड़ियां हैं।
चौथी खोपड़ी शैली के पास है वो भी पहुंचती ही होगी।
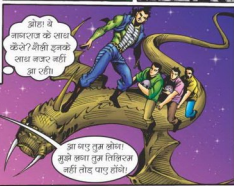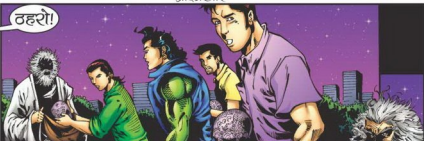
ठहरो!
उसे खोपड़ी मत देना। मैं इसे पहचान चुकी हूं वो शैतान है।
उसका नाम राजा आदमभू है। जो 400 सालों से जिन्दा है।
ये प्रोफेसर विक्रांत का पिता है। और यही आदमखोर भी है। हमारी मशीन भी प्रोफेसर विक्रांत ने चुराई थी।
इसने गुरु बन कर हमें झूठी कहानी सुनाई है।
असली कहानी क्या है ये मैं तुम्हें बताती हूं।
"400 साल पूर्व क्रूर खप्परों के राजा आदमभू और उसकी खूंखार खप्पर सेना का भयंकर आतंक मचा था।"
हम आज तक कोई युद्ध नहीं हारे।
"आदमभू आतंक मचाता राजा विकराल की सीमा पर आ पहुंचा।"
"राजा विकराल ने आदमभू की खूंखार सेना के बारे में सुन रखा था।"
उनके पास ताकत है। ताकत से अभिमान पैदा होता है और अभिमान बुद्धि को नष्ट कर देता है।

"राजा विकराल ने आदमभू और उसकी सेना से भयानक टक्कर ली।"
"युद्ध कई माह तक चला।"
"क्रूर खप्परों की रसद खत्म हो गई।"
यहां तो दूर-दूर तक कोई गांव, कस्बा या कबीला नहीं है जहां से भोजन का प्रबंध किया जा सके। राजा विकराल ने जान बूझकर युद्ध के लिए ऐसा ही स्थान चुना है। मगर रसद की कमी से कोई जान नहीं जाएगी।
"कई हफ्तों से वो भूखे प्यासे ही लड़ रहे थे। अब हिम्मत जवाब दे चुकी थी।"
इन्हें चील-कौव्वों का भोजन मत समझो। युद्धभूमि में बिखरे पड़े ये शव ही अब हमारी रसद हैं।
महाराज एक इन्सान दूसरे इन्सान को कैसे खा सकता है?
एक भूखा इंसान, इंसान को नहीं खा सकता लेकिन विजय का भूखा यौद्धा खा सकता है।
इंसान को भी।
"उस लड़ाई में राजा विकराल पराजित हो गया।"
महान आदमभू! इनकी रसद का क्या करें?
अब ये हमारी रसद नहीं।
इसे जला दो...।

...अब ये जिन्दा पकड़े गए सैनिक हमारी रसद हैं। हा हा हा।
"राजा आदमभू और उसकी सेना बन चुकी थी आदमखोर।"
"वो इन्सानों को मारकर खाने लगे, लेकिन गुरु खूनबा के निर्देशानुसार वो उन शवों के सिर काटकर उन्हें सौंप देते थे।"
"किंतु राजा आदमभू को एक दिन उन कटे सिरों की हकीकत पता चल गई।"
कटे सिरों के दिमाग से चेतना द्रव्य और फिर उस द्रव्य से तैयार होगा ये अतिमानस मस्तिष्क जो वैडिंगो को जिन्दा कर देगा।
ये सिर स्वीकार करें गुरु देव।
मुझे केवल इनका मस्तिष्क नष्ट करना है। मस्तिष्क खाना निषिद्ध है क्योंकि मस्तिष्क खाने से मस्तिष्क में मौजूद अवगुण व विकार हानिकारक सिद्ध हो सकते हैं।
ओह! तो आप कई सालों से मूर्च्छित पड़े कबीले के रक्षक वैडिंगो को जिन्दा करने के लिए उसका मस्तिष्क बना रहे हैं, जो एक शाप के कारण नष्ट हो गया था।
आह! तुम गलत समझ रहे हो मैं वैडिंगो को अपने स्वार्थ के लिए नहीं अपितु कबीले की रक्षा के लिए जीवित करना चाहता था।
आह!
गलत! आप ऐसा इसलिए कर रहे हैं ताकि आपकी शक्ति बढ़ जाए और कबीले के राजा आप बन जाएं, परन्तु मैं ऐसा नहीं होने दूंगा।

राज कॉमिक्स
"शीघ्र ही गुरु खूनबा को समझ आ गया कि"
तुम अपने आपे में नहीं रहे। तुम्हारी आदमखोरता इन्सान और इन्सानियत के लिए भयंकर संकट है। परंतु मैं ऐसा नहीं होने दूंगा। तुम मुझे नहीं मार पाओगे।
इस पात्र में भरे चेतना द्रव्य की एक-एक बूंद में लौह शक्ति भर देने की ताकत है।
"शैतान आदमभू गुरु की उम्मीदों से कहीं अधिक फुर्तीला निकला।"
तड़ाक!
ये लौह शक्ति मुझे और मेरी सेना को प्राप्त होगी गुरु देव और तुम्हें हम मारकर हजम कर जाएंगे।
"भयंकर लड़ाई के पश्चात् गुरु खूनबा को वहां से भागना पड़ा।"
"आदमभू ने कुछ बूंद चेतना द्रव्य स्वयं पी लिया और शेष अपने सैनिकों में बांट दिया।"
"एक चट्टान पर लिखी द्रव्य और अतिमानस मस्तिष्क बनाने की विधि आदमभू को मिल गई"
"चेतना द्रव्य के कारण उनकी उम्र का बढ़ना भी रूक गया था और वे निरोगी हो गए थे। इन सब शक्तियों के कारण वे और भी खूंखार हो गए।"
पूरे कबीले को मार दो।
"आदमभू ने चेतना द्रव्य से अतिमानस मस्तिष्क को भी पूरा करना शुरु कर दिया था।"
आप ये क्या कर रहे हैं आदमभू? इसे जिन्दा मत कीजिए। हम इसकी भूख नहीं मिटा पाएंगे। वैडिंगो भयंकर आदमखोर राक्षस है।
वे मेरी ताकत बनेगा जोनावरा। ये हमारे पूरे कबीले की ताकत बनेगा। हा हा हा।
"आदमभू वैडिंगो के शरीर को हर समय अपने साथ ही रखता था।"

"योद्धा वंश की सीमा पर डेरा डाला था आदमभू ने।"
उन पर तेज धार हथियारों का भी असर नहीं होता।
मातम मत मनाओ। तुम्हारा राजा अभी जिन्दा है। मैंने तैयारी कर ली है। ईश्वर हमारे साथ है।
"आदमभू स्त्रियों का रसिया था। इस बात का फायदा उठाकर राजा विशम्भर ने अपनी एक खूर्राट गुप्तचर विषैली को उसके खेमे में भेज दिया था।"
तुम्हारे जैसा सौंदर्य मैंने पहले कभी नहीं देखा।
और आप जैसा शक्तिशाली मैंने।
"विषैली रहस्य जुटाने में लगी थी।"
ये लौह जिस्म कैसे बनाते हो?
लौह जिस्म चेतना द्रव्य का जादू है।
"आदमभू सारे रहस्य बताता चला गया।"
"फिर एक दिन।"
आओ विषैली। देखो। मैंने वैडिंगो के सिर में अतिमानस मस्तिष्क लगा दिया है और अब ये जीवित हो रहा है।
और अब तू मरेगा।

"विषैली अपनी सेना को साथ लाई थी।"
नजर उठाकर देख शैतान। मेरे अलावा योद्धावंश के चार और शूरवीर योद्धा शेरा, बाहुबलि, शूरा और शस्त्रा किस प्रकार तेरे आदमखोरों का सफाया कर रहे हैं।
नहीं उन्हें कोई शस्त्र नहीं मार सकता।
उनके पास ऐसे शस्त्र कहां से आए?
ये दिव्यास्त्र उन्हें मैंने दिए हैं। क्योंकि मैं जानता था कि तुझे और तेरे आदमखोरों को किस प्रकार से खत्म किया जा सकता है।
"वैडिंगो भी जीवित होकर तबाही मचा रहा था।"
धोखेबाज शैतान। बचेगी तू भी नहीं। ये विष खंजर तेरी जान ले लेगा।
अब वैडिंगो किसी को जीवित नहीं छोड़ेगा उसे केवल मैं नियंत्रित कर सकता था और मुझे तो तूने...आह।
खचाक!!!
"वैडिंगो पर वो शस्त्र विफल हो गए।"

"गुरु खूनबा ने बताया कि-"
वैडिंगो के मस्तिष्क को नष्ट कर सकता है केवल अति तीक्ष्ण विष।
"मरणासन्न विषैली हार मानने वाली नहीं थी। विषैली ने विषैले सर्पों को इकट्ठा किया और"
खच्च
"इस प्रकार वैडिंगो फिर से कोमा में चला गया।"
"आदमखोर तबाह हो गए। साथ ही कुर्बान हो गए पांचों वीर योद्धा भी।"
तुम्हारी कुर्बानी व्यर्थ नहीं गई।

"तत्पश्चात गुरु खूनबा ने वैडिंगो के मूर्छित शरीर को एक तिलिस्म में रख दिया। जिसकी चाबी चार खोपड़ियों को बना कर उन सारी घटनाओं का सिलसिलेवार ब्यौरा भी उन खोपड़ियों पर गोद दिया।"
इस शैतान ने गुरु खूनबा का रूप धरकर इन खोपड़ियों को लाने की वजह उन हथियारों को बताया था जो वैडिंगो को मार सकते हैं वास्तव में हमारे पूर्व जन्म की ये खोपड़ियां वैडिंगो के तिलिस्म में पहुंचने की चाबियां हैं नागराज।
ये प्रोफेसर विक्रांत के साथ मिलकर एक ऐसा मस्तिष्क बना चुका है जिससे वैडिंगो को जीवित किया जा सकता है।
यही है आदमखोर राजा आदमभू।
तुम ये सारी कहानी कैसे जानती हो?
"प्रोफेसर विक्रांत के तहखाने में ही मुझे अपनी खोपड़ी पर लिखी भाषा को समझाने वाली एक प्राचीन किताब भी मिली"
"जिसे पढ़कर मैंने खोपड़ी पर लिखी सारी कहानी को समझ लिया।"
तूने बिल्कुल ठीक कहा। मगर मेरे मकसद के बारे में मेरा बेटा भी नहीं जानता।
वो तो एक कृत्रिम दिमाग बनाने के लिए जुनूनी था। उसे नहीं पता कि मैं वो दिमाग वैडिंगो के लिए बना रहा हूं।

स्कूऽऽश्शं
अब मेरे पास वो दिमाग भी है और वैडिंगो तक पहुंचने की चाबी यानी ये खोपड़ियां भी हैं। मगर तुम्हारे रूप में अड़चनें भी हैं, जिन्हें दूर करना होगा।
उफ्!
इन चारों खोपड़ियों को 32 माइल स्टोन के इस होल में एक-एक करके इस तरह से डालना होगा...
जैसे किसी चाबी को ताले के की-होल में डाला जाता है।
इससे खुल जाएगा वो तिलिस्म जिसमें बंद है वैडिंगो का मूर्च्छित शरीर।
अब जल्दी जिन्दा हो जाएगा वैडिंगो।
अरे ये क्या? ये एक खोपड़ी 32 MILE STONE से निकल कर उस लड़के से क्यों टकरा रही है?

ये तिलिस्म तो नहीं खुला मगर अब तेरी सांसें जरूर बंद हो जाएंगी शैतान आदमभू!
"लेकिन अंतिम खोपड़ी को प्राप्त करने से पूर्व के तिलिस्म को खत्म करते हुए ही तेरी दी समय सीमा समाप्त हो गई पर खोपड़ियां ना गायब हुईं ना नष्ट हुईं!"
तेरी कहानी एक दम सटीक थी आदमभू! और काफी हद तक सच भी। पर तेरे शैतानी मंसूबों का भांडा फोड़ तेरी ही बात ने किया!
तूने कहा था की 24 घंटे से पूर्व खोपड़ियां प्राप्त नहीं की गईं तो खोपड़ियां नष्ट हो जाएंगी।
"फिर अंतिम तिलिस्म भी खत्म करने के बाद हमने ये डिसाइड किया।"
मुझे किसी गड़बड़ का आभास हो रहा है। गुरु खुनबा को खोपड़ियां देने से पहले कुछ तैयारी करनी होगी।
"तूने समय सीमा वाला झूठ इसलिए बोला क्योंकि तू खोपड़ियां जल्द से जल्द प्राप्त करना चाहता था"
बस यहां आने से पूर्व मैंने तीनों में से एक खोपड़ी बदल दी!
और जो सोचा था वही हुआ।
ओह! वो खोपड़ी उससे टकराई थी। तो इसका मतलब...

असली खोपड़ी इसके पास है।
मिल गई मुझे आखिरी खोपड़ी भी।
धड़!!!
हा हा हा।
अब क्या होगा नागराज? वो तिलिस्म में चला गया है।
वो वैडिंगो को जिन्दा कर लेगा।
अब खुल जाएगा तिलिस्म।
तिलिस्म खुलता चला गया।
अतिमानस मस्तिष्क रोपित होते ही जाग उठा वैडिंगो-
भूखा।
कड़ड़ड़।
भूखा।
आह! नागराज!

नागफनी सर्प उसे काट नहीं पाए।
कच्चाक
उफ! उस दरिन्दे ने विभव का हाथ तोड़ दिया।
हिस्स
हिस्स
कड़च
सांय
सांय
विभव को उसके चंगुल से छुड़ाना होगा।
भूखा।
शैली की कहानी के मुताबिक इसके दिमाग की मौत 400 साल पहले भी विष से हुई थी।

ये तो सांप भी खाए जा रहा है। विष का इस पर कोई प्रभाव नहीं हुआ।
यानी कि इसका शरीर विष प्रतिरोधक शक्ति विकसित कर चुका है??
धाड़
भागो। ये जगह खाली कर दो। वो भयंकर आदमखोर शैतान वैडिंगो है।
हे भगवान! ये क्या बला है।

भूख!
भागो! ये मार डालेगा!
धाड़!!!
इसे रोकने में हमें भी नागराज की मदद करनी होगी!
अग्निका की अग्नि इसे जलाकर राख कर डालेगी!
तुम कौन?
इस पर वार करके अपनी ताकत व्यर्थ मत करो!
मैं गुरु खूनबा! मैंने ही इस शैतान को तिलिस्म में कैद किया था! इस को कैद करने के बाद मैं वर्षों योग निद्रा में रहा!
आज अचानक तिलिस्म टूटने के कारण मेरी योग निद्रा भंग हो गई! तुम्हारे कोई भी वार इस शैतान पर नाकाम होंगे।
तो फिर कैसे रोका जा सकता है इस शैतान को!
जैसे आजाद हुआ वैसे ही!
मतलब?
मतलब कि तिलिस्म द्वार की उन चार चाबी खोपडियों के अलावा एक खोपडी और है जो अन्य खोपडियों के साथ मिल कर ऐसे तिलिस्म का निर्माण करेगी जिसमें वेडिंगो दोबारा कैद हो जाएगा।
मतलब एक और तिलिस्म तोड़ कर खोपडी लानी होगी?
नहीं! इस बार तुम्हें किसी तिलिस्म में जा कर उसे तोड़ने की आवश्यकता नहीं क्योंकि...

...वो खोपड़ी मेरे पास है।
बस इसे अन्य खोपड़ियों के बीच में लगाना है। बाकी काम स्वंय हो जाएगा।
तो देर किस बात की। लाइए में अभी इसे इसके स्थान पर रख आता हूं।
किसी को कहीं भी जाने की जरूरत नहीं है। क्योंकि ये खोपड़ी तुम्हारे किसी काम नहीं आने वाली है।
आप ठीक हैं ना?
हाहाहा! अब कोई नहीं रोक सकता बैंडिगो को!
और तू खूनबा चार सौ साल पहले तो बच गया था पर इस बार तेरी मौत निश्चित है।
अब तू गया आदमखोर हत्यारे।
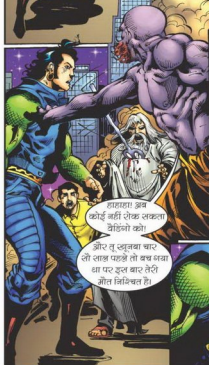
हाहाहा! तेरे विष का असर मुझ पर तब ही होगा जब वो मेरे भीतर पहुंच जाए! और मेरी शक्तियां तेरी फुंकार को मेरे भीतर जाने नहीं देंगी!
अगर तुझे मारने की शर्त यह है कि मेरा विष तेरे भीतर जा कर तुझे मारे तो ऐसा ही सही! ये शर्त मैं जरुर पूरी करुंगा
खत्म हो गया शैतान!
शैतान तो खत्म हो गया नागराज पर अपने पीछे तबाही मचाती मौत छोड़ गया है।
नहीं ऐसा नहीं हो सकता! सारे रास्ते बंद नहीं हो सकते। कोई ना कोई रास्ता जरूर होगा।
ले मैंने तेरी शर्त पूरी कर दी अब मैं शर्त लगाकर कहता हूं कि तेरी कोई भी शक्ति तुझे मेरे विष से मरने से नहीं रोक सकती!
और वो मौत शहर की ओर चली गई है।
और उस मौत को रोकने के सारे रास्ते बंद हो चुके हैं।
कोई रास्ता नहीं है नागराज! पहले वैडिंगो को विष के द्वारा उसका दिमाग खत्म करके मारा गया था! परन्तु अब विष का भी इस पर कोई असर नहीं हो रहा।
अब इसे तबाही मचाते देखने और अपनी मौत का इंतजार करने के सिवा हम कुछ नहीं कर सकते।

"नहीं अभी भी एक रास्ता है!"
सभी युनिट्स अलर्ट! सभी टार्गेट सेट करें और मेरे कहते ही फायर करें!
फायर!!
बूम्म
तड़ऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽ
ब्लॉम

बड़ाऽऽऽऽऽऽऽम

हे भगवान! ये तो शैतानों का भी शैतान है! इस तबाही को रोकने के लिए शायद साक्षात भगवान को धरती पर आना होगा!

साक्षात भगवान तो नहीं पर इस शैतान को रोकने वाली कोई भी चीज फिलहाल भगवान से कम नहीं लगेगी।

नागराज! शैली! तुम दोनों ये न्यूरॉन मशीन क्यों उठा लाए?

क्योंकि जिस न्यूरॉन मशीन ने इसे जीवन दिया है वही न्यूरॉन मशीन इसकी मौत का भी कारण बनेगी!

क्या मजाक है? जिस शैतान पर टैंक तक बेअसर है उसे तुम इस मशीन से कैसे मारोगे?

नागराज सही कह रहा है विभवा! इसी मशीन ने लोगों के दिमागों से न्यूरॉन चुरा कर उस अति मानस मस्तिष्क का निर्माण किया था। जिसने वैडिंगो को जीवन दिया...

"और अब यही मशीन इसके मस्तिष्क से न्यूरॉन खींच कर इससे उसका जीवन छीनेगी।"
आररररंध
सर्ररर्र
धाम्मम!!!
OH GOD! अभी भी यकीन नहीं हो रहा इस मुसीबत से छुटकारा मिल गया
वैसे नागराज तुमने सही दिमाग लगाया। तुम ना होते तो पता नहीं ये शैतान शायद सारे महानगर को खा जाता और फिर पूरी दुनिया।
हां! ऐसा लग रहा है कि अभी फिर से उठ कर तबाही मचाने लगेगा।
हां! पर मशीन तुम लोगों की बनाई हुई है। दिमाग खत्म करने वाली बात से मुझे ये आइडिया सूझा था जो कारगर सिद्ध हुआ!
तुम सभी के सम्मलित सहयोग से ये काम हो सका है।
अब मैं इसे ऐसे तिलिस्म में बन्द कर दूंगा कि ये कभी आजाद ना हो पाए!
लेकिन एक बात जो मुझे अभी भी समझ में नहीं आ रही जिस पर किसी और का ध्यान नहीं गया।
वो ये कि चौथे और अंतिम तिलिस्म के पूर्व के तिलिस्म में सभी के बार-बार खोपड़ी को स्पर्श करने पर भी तिलिस्म खत्म नहीं हुआ।
फिर मेरे हाथ जो कि मधुर के शरीर पर थे उनके खोपड़ी को स्पर्श करते ही तिलिस्म टूट गया। कैसे?
वो इसलिए नागराज क्योंकि पुनर्जन्म केवल अर्पित और शैली का हुआ था! विभव और मधुर का नहीं।
ओह! तभी मैजिक फाउंटेन पर मेरे छूने से तिलिस्म शुरु नहीं हुआ अर्पित के छूते ही हो गया
और म्यूजियम में नागराज को पर नागराज के क्यों?
क्योंकि नागराज भी योद्धा वंश का है।
और मैं आप सभी से माफी मांगना चाहता हूं! मुझे नहीं पता था कि पिता जी मुझे भी अंधेरे में रख कर वैडिंगो जैसे शैतान को जीवित करना चाहते थे! मेरा उद्देश्य सिर्फ अतिमानस मस्तिष्क बनाना था जो मानवता की ही भलाई के काम आता। पर मेरा तरीका गलत था!

1 WEEK LATER
राज टाइम्स
शहर से आदमखोर हत्यारों का आंतक समाप्त
अर्पित, शैली, मयूर व विभव को न्यूरॉन मशीन के लिए विज्ञान पुरस्कार।
आ गए! आज कितने शिकार फंसे?
ज्यादा नहीं चार शिकार फंसे!!
कम हैं हमें और दिमाग चाहिएं! इतने से दिमागों से शैतान जीवित नहीं होगा!
तुम लोग अपनी हरकतों से बाज आ जाओ! पिछली बार की मुसीबत को भूल गए क्या जो फिर वैसा ही मजाक कर रहे हो?
OH C'OMON SHAILY! हम बस मजाक कर रहे हैं। COOL! अब एक ही काम करते-करते बोर हो जाते हैं। कुछ तो रिफ्रेशमेंट चाहिए।
अरे! छोड़ो ये दादी अम्मा है अभी लेक्चर देना शुरु कर देगी!
अरे नहीं! असली बात ये है कि ये डर रही है।
डर। माय फुट! करो जो करना है किसी मुसीबत में पड़ो तो मुझे मत कहना! मैं जा रही हूं!
ठीक है दादी अम्मा! डरपोक!
वैडिंगो फिर जागेगा।
समाप्त